SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25

Term 1 Cass-notes

Subject: HINDI

CLASS: 6 L.No. 4 शब्द –विचार (व्याकरण)

Prepared by:DEEPIKA MEHRA DATE-

शब्द - सार्थक वर्णों के समूह को शब्द कहते हैं।

*** शब्द के भेद-** 1. उत्पत्ति के आधार पर 2. रचना के आधार पर

3. प्रयोग के आधार पर 4. अर्थ के आधार पर

1) उत्पत्ति के आधार पर- शब्दों को पाँच भागों में बाँटा गया है-

1) तत्सम 2) तद्भव 3) देशज 4) विदेशज 5) संकर

(i) **तत्सम शब्द -** संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में बिना किसी बदलाव के प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें तत्सम गब्द कहते हैं; जैसे-क्षेत्र, ग्राम, पत्र, चंद्र आदि।

(ii) **तद्भव शब्द-** संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में परिवर्तित रूप में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द हते हैं, जैसे-खेत, गाँव, पत्ता, चाँद आदि।

(iii) **देशज शब्द** -देशज का अर्थ है-देश ज यानी देश में जन्मा देश में प्रचलित आम बोल-चाल की भाषा के शब्द जिनका हिंदी में प्रयोग किया जाता है, उन्हें देशज शब्द कहते हैं जैसे-झुग्गी, पेट, लात, खिड़की थैला आदि।

(iv) **विदेशज शब्द** - ऐसे शब्द जो अंग्रेजी, फारसी, अरबी, चीनी और पुर्तगाली आदि विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए हैं, उन्हें विदेशज शब्द कहते हैं; जैसे- मोटर, अनार, चाय कैची आदि।

(v) **संकर शब्द-** दो भाषाओं के मेल से बनने वाले शब्द संकर शब्द कहलाते हैं।

जैसे- हवादार, लाठीचार्ज, रेलगाड़ी

2. रचना के आधार पर - शब्दों की रचना या बनावट के आधार पर शब्दों को तीन भागों में बाँटा गया है-

(i) **रूढ़ शब्द -** ऐसे शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के लिए प्रयोग होते चले आ रहे हैं और जिनके टुकड़े करने पर कोई अर्थ नहीं निकलता है, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं|

जैसे- 'शेर' शब्द का खंड करें, तो शेर ये अर्थहीन खंड है।

(ii) **यौगिक शब्द -** 'यौगिक' का अर्थ है- योग से बनने वाला। जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। यौगिक शब्दों के सार्थक खंड किए जा सकते हैं।

पाठ + शाला अर्थात पाठ का घर

(iii) **योगरूढ़ शब्द–** 'योगरूढ़' का अर्थ है- योग + रूढ़ अर्थात यौगिक होते हुए भी विशेष अर्थ देने वाला। जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं और किसी विशेष अर्थ में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं।

दशानन = दश + आनन = दस मुँहवाला (रावण)

3. प्रयोग के आधार पर प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं-

(i) विकारी शब्द (ii) अविकारी शब्द

(i) **विकारी शब्द-** जो शब्द लिंग, वचन, कारक तथा काल के प्रयोग के आधार पर परिवर्तित हो जाते हैं, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं।

(ii) **अविकारी शब्द**- वे शब्द जिनमें लिंग, वचन और काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता है, उन्हें अविकारी शब्द (अव्यय) कहते हैं।